CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ ॥ ॐ श्री[illegible]य नमः ॥ ॥

[illegible]

नमः ॥ ॥ ॥ ॐ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

नमः ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

शि॰

र्वेदेभ्यमस्तु ॥ यस्मिन्नृचं पृथिवीमन्तरिक्षं दि-
वं भागं वा लोकं सिद्धिम् ॥ यच्चित्रमुत्तमं
भगो रूपं परः पुष्पं इहसौभाग्यं विधूत ॥
येनेदं विश्वं जगतो बभूव ये देवा अपि महतो जा-
तवेदाः ॥ येन द्यौर्विश्वा पृथिवी चान्तरिक्षं येन
द्यौरिदं पृथिवी च विद्युत् ॥ यत्पुण्यं सर्वपापघ्नं

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

ॐ मंवक॰ पामभम्नमवागमंविभम्रभंम्र
धाय॥ ग्रधावयभामिन्द्रडवागामेयमि
उयेश्राम॥ ॐमम्नेवक॰ भ्रुपिदवमह्राम
मफयम्रभवम्रगामके॥ उम्रयामिवन्म
वधमानभ्नमसम्नेयणभविदविद्धिः॥ प
देफमविवक॰ देवेम्रनमंभमानञ्चयः

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

पुमेधीः ॥ इत्येवं त्रिवन्द्य भुवि विज्ञायैव स्तु
त्वा वयामि मीधुः ॥ यत्तिष्ठु विक्रियमः मिश्रम
मे विज्ञाज्ञं धांमि धूम भस्मूप्र ॥ मत्रिव
त्रैवमेठवि डीरेदिश्वेव स्तूतउयमेइभु ॥ एव
यज्ञुरिवन्द्य ॰ ॰ रागे वीदिमहनीकं भनवेव
नणि ॥ भक्तभक्ते विकभक्तेनितवेयज्ञनिभ

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

रः ॥ ॐ [illegible] ॥
विद्महे [illegible] धीमहि [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

णेविरताडुण्येत्रेभाष्टुत्रेयश्लिक्षुभर ॥
त्रपभेविस्त्रुतेतत्पयभेत्रेवारह्ः ॥ पत्रभे-
भू॰ त्रयाडुपणयङ्गंभवाभित्रे ॥ ङभभत्र-
त्रपधेवक्रभेतपितिग्धभेलेवक॰ मंभिम
ति ॥ भाडेवाभ्द्मःवतिउमभयक्ष्ठविश्वेवाल
मधिदवाभड ॥ चयत्रत्रेषिपवमत्रभ-

ॐ: ५

𑆠𑆴𑆬𑆴𑆩𑆴𑆰𑆱𑆹𑆫𑆂 𑇅 𑆑𑆾𑆑𑆳𑆤𑆱𑆢𑆶𑆫𑆳𑆩𑆳 𑇅 𑆮
𑆴𑆠𑆴𑆢𑆴𑆰𑆴𑆣𑆴𑆮𑆩𑆳𑆫𑆂𑆥𑆳𑆥𑆹𑆫𑆬𑆳𑆢𑆂𑆥𑆾𑆢𑆴𑆫𑆂 𑇅 𑆰𑆁
𑆩𑆵𑆩𑆢𑆴𑆩𑆢𑆓𑆳𑆪𑆩𑆳 𑇅 𑆮𑆽𑆥𑆳𑆮𑆱𑆹𑆮𑆥𑆳𑆮𑆱𑆴
𑆮𑆫𑆂𑆩𑆮𑆵𑆢𑆩𑆳 𑇅 𑆩𑆢𑆮𑆶𑆪𑆴𑆁𑆩𑆪𑆴𑆥𑆹𑆫𑆰𑆩𑆳 𑇅
𑆮𑆽𑆬𑆑𑆢𑆶𑆫𑆱𑆤𑆮𑆱𑆥𑆑𑆳𑆢𑆸𑆬𑆑𑆯𑆽𑆩𑆴
𑆪𑆢𑆱 𑇅 𑆮𑆥𑆴𑆫𑆽𑆑𑆢𑆴𑆩𑆩𑆳𑆮𑆢𑆽𑆤𑆑𑆩𑆤𑆽𑆱𑆶

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

मतिर्वक्त्रषडक्षो ॥ सदमारेरुत्पद्यूरवाहः सप
त्नीकस्त्वलक्ष्मीं विनिघ्नतु ॥ पातिर्वेदिसम
स्तभावैर्वपुंमूर्मयूरवाहः सपत्नीकः ॥ व
ज्रयंत्रैर्द्विर्द्विविद्वत्केलिभिर्वारिणीलयं मति ॥ उद्वेव
ह्यस्त्वद्दिविस्पृग्वहमारातिः ॥ वज्रयंत्रैर्द्विस्फ
मतिस्मभावेपद्मवेशुः ॥ इंवपंममिण्टस्वद्ध

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

ह्मत्रेपिशघ्नमि ॥ येन: मागशमपेउयच्छ
र:मपउ:मपाङ ॥ उफ्नहेवपुराहयउहुम
छ्रिकिझ्व ॥ ओंमिउंमेवृघ्न ओंमिउंवीरेंव
लमः ॥ ओंमिउंदाडंमेत्तिङ्कयश्रादमम्बि
धेरेदिउ: ॥ उत्तंधांवाफ्रापडिरभड्डमेपविव
लमः ॥ क्षिलिमिवृघ्नत्रमिडृवत्रयामिश्ना

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

नमनमः ॥ पनमनः पनगपुमउगायुनचिवि-
ऽपनगपोऽर्ऽभउगाय ॥ पनवुशः पनः चिर्द्दि-
भउगार्डिवानेिपुमउऽभऽउपापुवनाणऽदि-
गिऽगिविद्वा ॥ भोऽमुहे शिमाङ्गु श्व ॥ ॥ ॥
यश्चिवाय्दिवदित्यं देवा मन्त्रदमावपमः ॥
प्रियमानस्यादेनभेविद्यामनुवंदमः ॥ य-

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

ष्टिएगहूषिसुप्रालवांभिमक्षमावयभर ॥
प्रदेभाउस्मक्षेरमेविस्रामक्षूवंदमः ॥ भूप
यस्विउतिभवत्रीयातिमिउमेमवयिः ॥ १ ॥
ठइक्लेक्षिः मरयाभक्षेशठदूंपष्टेभा
क्षिक्षिदलाइः ॥ भ्रितिक्तिभुष्टुवंभउक्षि
हमेभक्षेवदितंयमपः ॥ श्रीभिउक्षेवदू

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

शा.
३

तवाः अग्निरः प्रभाविश्ववेदाः ॥ अग्निर्भ्राद्धि
षोड्शर्चिभिः अग्निर्वैश्व[illegible]तिग्रहणाय ॥ पत्र
मन्त्रभक्तः पवित्रमाद्यः ॥ [illegible]
मवेधमाणस्य ॥ [illegible]भवः अग्नय
नमो विश्वेश्वराय [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

यक्ष्मियद्युपितरेष्ववत्रिमायेमहागीरिखड्य
नेति: ॥ स्वधा: कि किलभ्रगणपद्भृगम्रिपे:
॥ परन्तु मा पितरः स्मृताम: परन्तु मा पितामह
हः ॥ परन्तु प्रपितामहः ॥ पवित्रं मद्य स्व
धा ॥ परन्तु मा पितामहः परन्तु प्रपितामहः ॥
पवित्रं मद्य स्वधा विश्वभागमायवृधवे: ॥ स्वय

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

ऊः ७

ब्रह्मर्षिपवमन्त्रमयैर्लभिषक्ष्वः॥ ब्रह्मणाप
मर्दक्रणाभा॥ प्रतुभादेवतानः प्रतुमप्तमा
त्रियः॥ प्रतुविश्वाक्षुरि॥ स्वेणः प्रतीदि
मा॥ पविः॥ प्रतीदिमाब्रः॥ देवस्मीपृष्ठ॥
प्रयेरस्वहृकृतत्र॥ यत्तुपविस्मत्रिधूगविउउ
मजग॥ वृष्णेप्रणउमा॥ पवमानः भक्तः

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

𑆥𑆮𑆴𑆠𑇀𑆫𑆁 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆬𑆒𑇀𑆤𑆴𑆂 𑇆 𑆪𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆑𑇀𑆫𑆩𑆂 𑆥𑆫𑆳𑆑𑇀𑆫𑆩𑆳
𑇆 𑆠𑆫𑇀𑆑𑆁 𑆲𑆸𑆠𑇀𑆱𑆼𑆮𑆩𑆮𑆴𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆥𑆮𑆴𑆠𑇀𑆫𑆁 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫 𑇆 𑆱𑆁
𑆥𑆫𑆵𑆑𑇀𑆰𑆴𑆠𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆠𑆂 𑇆 𑆮𑆽𑆯𑇀𑆮𑆢𑆼𑆮𑆵𑆥𑆫𑆠𑆾𑆩𑆲𑆳𑆓𑆳𑆩
𑆯𑇀𑆫𑆸𑆠𑆩𑆳𑆨𑆶𑆮𑆽𑆮𑆵𑆠𑆥𑆢𑇀𑆩𑆂 𑇆 𑆠𑆡𑆳𑆩𑆱𑆠𑇀𑆫𑆢𑇀𑆩𑆱
𑆩𑆳𑆁𑆱𑆼𑆰𑇀𑆜𑆮𑆪𑆁𑆱𑇀𑆮𑆳𑆩𑆥𑆠𑆪𑆾𑆓𑆪𑆵𑆩𑆳 𑇆 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩
𑆪𑆘𑇀𑆚𑆳𑆢𑆴𑆤𑆑𑆸𑆨𑆳 𑇆 𑆥𑆫𑆩𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑆢𑆴𑆯𑇀𑆮𑆴𑆪𑆁𑆥𑆫𑆩𑆥𑆂

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

पसनाः ॥ पसनुन्द्र~ मेडंपसनुवि~ मेडु
मा ॥ यज्ञेनुरोः पणिवीभक्तूतिधमीरशुभ
रनूनपमुमदंपसगनदे ॥ यज्ञेरोः पमिनूरो॰
यमभरयरोपसः ॥ यज्ञमेधुरिरिधुरिरेयभा॰
ममरंजनरेभधृतभक्तुन ॥ सपंयेमूवि~
रिपूरपरो ॥ रबेपरेधववधनर्मवाणिवाउ

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

पलाह्रेवस ॰ भूसुंधि ॥ ॐ ह्रूं यामदेवीमहमाल
एरमेयमागाद्वन्नमामं विमला ॥ यानस्मिं
विद्वीपिनियादिनागोष्ठद्वेषपमषेश्वः ॥
ॐ ह्रूं या ॥ मिंद्रहापूउउयापमकेद्विधिर
ग्रीवाद्म ॰ भुद्रया ॥ ॐ ह्रूं या ॥ यामाएहेसम
हउययउयामसूभृतस्रेपमषमृमयेि ॥ ॐ

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

ज्ञः
००

र्मृया ॥ दिव्यवल्लङ्गिकम्रपम् ॥ दिव्यव
लः सुमयः पावकयामल्लकम्रूपेयाश्चि
मृः ॥ याचयिस्नुठं मणिरौविकृपाभ्यारसुपः मे
मृराठवडु ॥ याभाङ्मेवामिविदग्ध त्रिठहृं स्म
चत्रिदेवमणाठवत्रि ॥ याचयिस्नुठं ॥ याम्भों
गल्वमः याङ्गिमहेमहारङ्गेचवपहृस्नुा

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible] ॥ ओं [illegible] नमः ॥ ओं [illegible]
[illegible] नमः ॥ ओं [illegible] नमः ॥ ओं [illegible] नमः ॥ ओं
[illegible] नमः ॥ ओं [illegible] नमः ॥ ओं
[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ ओं [illegible]

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

श्रीनाथाय पूर्वतमयाभेयप्रिमते मत्नेसेव
रम ॥ अपरुन्दमन्त्रुभस्रपूर्वतमभेमस्राउ
दीपमवस्राग ॥ वैश्वानरः पावकानः पवि
ईर्यस्त्रमठिणवभ्रामाभा ॥ स्वालवमत
भायामभारेयमदॄलिस्वपरुभ्रवामि ॥ स्वभ्रयो
भठणाम्रिविविमस्त्रेनाभउनके ॥ पूर्वमदउस्ट

श्रः
१३

𑆪𑆱𑇀𑆑𑆠𑇀𑆪𑆳𑆩𑆼𑆠𑇀𑆮𑆢𑇀𑆢𑆶𑆑𑆩𑆼𑆣𑆤𑆩𑆳 𑇅 𑆮𑆴𑆓𑆴𑆢𑆵𑆤𑇀𑆮𑆽
𑆑𑆢𑇀𑆓𑆴𑆮𑆢𑇀𑆢𑆶𑆩𑆢𑇀𑆢𑆴𑆮𑆢𑇀𑆢𑆶𑆑𑆩𑆳 𑇅 𑆪𑆼𑆤𑆴𑆮𑆩𑇀𑆢
𑆠𑆼𑆓𑆳𑆜𑇀𑆩𑆮𑆳𑆢𑆧𑆴𑆫𑆫𑆶𑆠𑇀𑆠 𑇅 𑆩𑆥𑆶𑆤𑆫𑆢𑆶𑆠𑆴𑆓𑆳
𑆢𑇀𑆫𑆶𑆠𑆴𑆮𑆴𑆢𑇀𑆮𑆢𑇀𑆢𑆶𑆤𑆥𑆠𑆴𑆂𑆥𑆶𑆧𑆩𑆼𑆤𑆢𑆠𑇀𑆱𑆶 𑇅 𑆫𑆩
𑆑𑇀𑆰𑆴𑆢𑇀𑆢𑆁𑆓𑆫𑆩𑆂𑆥𑆫𑆩𑆳𑆢𑆴𑆑𑇀𑆰𑆴𑆠𑆁𑆠𑆁𑆩𑆫𑆩𑆠𑆾𑆩
𑇅 𑆠𑆠𑇀𑆠𑆶𑆩𑆠𑇀𑆮𑆼𑆑𑆼𑆩𑆠𑇀𑆫𑆫𑆠𑇀𑆪𑆼𑆪𑆽𑆢𑆁𑆢𑆶𑆥𑆴𑆑𑇀𑆰𑆩𑆳𑆪𑆳

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

स्थिता || सर्वज्ञैकमनसः पूर्वसूत्रांगुष्ठकं
वाग्भवं जानुयुग्मं || प्राणेशामेशं रक्षेद्वा
ममावेयपद्मभवेश्वरं || यज्ञेशः पातु विष्णुः
ममदेवेश्वरः सूर्यः दलत्यापदं मे रक्षेशाम ||
ममदेवदेवं पाहि विष्णुर्मे सूर्यशिवं शंभो देवा
ग्निदिंशि मे || वशिष्ठः सुमनसोऽमुमाङ्गोपामव

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

उर्ध्वं खण्ड रिङ्ग्या विमलम ॥ क्रमिस्रङ्गादिति

त्रिलोकी [illegible] त्रिदशभक्तिमस्मात् ॥ हे देवः पि

[illegible] पिहृष्टं करवाणि हि मिमद्वामवपद्मिलेक

मा ॥ यस्माद्वशः भक्तौ भवत्रिविदपरीगां उ

वैश्वामा ॥ यस्मै [illegible] [illegible] हृदः भगवल्लेकेऽभ

पद्मभवपितरं [illegible] मा ॥ यस्माद्भक्तिस्पृहा [illegible]

फ़ि: ७२

वामभूत्रमभूत्रत्रवाकरिष्यत ॥ यद्द्विवायांस
शाखायोच्छ्रियमेवकिञ्चित्पुत्रिलोकस्यदमन्
स्यितिभक्ष्यमनं करोतु ॥ यमद्रमस्थिवरूप
विरूपंवामेदिरम्भयागामनमविसम ॥ य
द्विवायांसशाखायोच्छ्रियमेवकिञ्चित्पुत्रिल
ग्रामस्थितिभक्ष्यमनं करोतु ॥ पवेसमत्र

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

पाणेन्द्रयन्त्रे वाग्भवरक्षाये पालितपापनिवा-
रणाय ॐ श्रीविष्णुः श्रीरस्तु ॥ वह्निः श्रीयन्त्रं व-
ह्निः श्रीरस्तु ॥ वायुः श्रीयन्त्रं वायुः श्रीरस्तु ॥ रु-
द्रः श्रीयन्त्रं रुद्रः श्रीरस्तु ॥ ब्रह्म श्रीयन्त्रं ब्रह्म
श्रीरस्तु ॥ भूतपतिः श्रीयन्त्रं भूतपतिः श्रीर-
स्तु ॥ क्ष्माध्यक्षः श्रीयन्त्रं क्ष्माध्यक्षः श्रीरस्तु

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible] ८
[illegible]ः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
[illegible] ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Residence of Ismail Ahmed Uri. Digitzed by eGangotri